

21 <sup>10</sup>/<sub>24</sub>

पत्रावली पैश दुई वार - वार आवा प्रलयवाई गई।  
वादीगण की ओर से कोई उपस्थित नहीं। पत्रावली का  
अवलोकन किया। वादीगण को परिवारी सं. 4, 5 व 7 के  
कारण: वादीगण के पत्रावली अंकल दिया गया है परंतु  
37 की ओर से कारण: वादीगण नहीं की गई। आप वादीगण  
की ओर से कोई उपस्थित नहीं है। अतः दयावादीगण  
अपना ह।प।टी - अंकल पैश तथा 09R5000 के तहत  
आपात्मप आदेशकी पालना रही सिधवापत प्रारिप व  
विद्या पाला है। पत्रावली पैशमल रुपार हो प्रारिपत जेठमह  
होन पालना वादीगण दालत हो।

~~उपस्थितिकाशी~~  
धौलपुर (राजप)